हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार 9 मार्च 2025

10 बाइक सवार की मौत तथा एक बच्चे, महिला सहित कई घायल

11 566 स्नातकोत्तर और 629 स्नातक विद्यार्थियों

कॉम्पीटिशन मतलब संस्कारम

झज्जर जिले में लगातार 8 वर्षों से सफलता का प्रतीक, अपने Classroom Programme से कर रहे हर Sanskarian का सपना साकार !

JEE Main (Session-1) Result -2025

IIT-JEE Advanced Selections

99.85 %ile

Shubham S/o Kailash
Vill : Dubladhan

97.46 %ile

Samir S/o Dharambir
Hansi, Hisar

97.30 %ile

Tanishk S/o Naresh
Charkhi Dadri

96.34 %ile

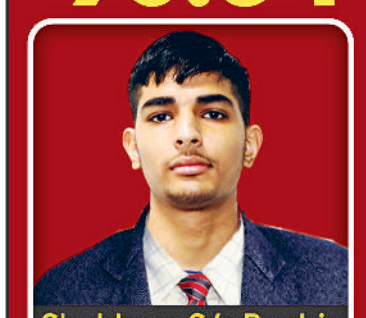

Shubham S/o Ranbir
Vill : Kheri Khummar

94.83 %ile

Akshit S/o Amarjeet
Jhajjar

94.81 %ile

Arpit S/o Amarjeet
Baghpur

India's Most Trusted School for Integrated Classroom Programme for Selection in IIT-JEE, NEET, NDA, MNS, SSC,CUET,CLAT, CA, CS, ICMAI

2025-26 ADMISSION OPEN

99.99 %ile

Selection in IIT Varansi (BHU)

Dishant S/O Mr. Devender
Village - Paharipur

99.96 %ile

Selection in IIT Guwahati

Chirag S/O Mr. Satender
Village - Paharipur

Scholarship Test : Date - 9 March 2025 / Time : 10:00 AM Onwards / Venue : Khatiwas & Patauda Campus

98.85 %ile

SHIVAM S/o JOGINDER
SEKHUPUR

98.17 %ile

YOGESH S/o RAJKUMAR
MANGAWAS

97.90 %ile

VIVEK S/o BASANT
SIWANA

97.51 %ile

NIKKI D/o SURENDER
JONDHI

97.40 %ile

VAIBHAV S/o AMIT
JHAJJAR

97.40 %ile

RITIK S/o KARTAR
SERIA

97 %ile

MUSKAN D/o SHYAMLAL
JHAJJAR

96.56 %ile

JATIN S/o VINEET
JHAJJAR

NEET Selections-2024

AC Hostel Facility For Boys & Girls

KHUSHI D/o PAWAN DHAKLA
Selection in MBBS
AIIMS Jodhpur

CHARU D/o SATISH MASUDPUR
Selection in MBBS
PGIMS Rohtak

ANJALI D/o VIKASH CHAMANPURA
Selection in MBBS
ESIC Faridabad

YASH S/o OM PRAKASH JHAJAJR
Selection in MBBS
PGIMS Rohtak

SHAKSHI D/o DEVENDER KHERI KHUMMAR
Selection in MBBS
PGIMS Rohtak

KAJAL D/o RAKESH MAJRA

DIKSHU S/o SURENDER DUBALDHAN

KAJAL D/o SANJAY GUDHA

VAIBHAV S/o AMIT JHAJJAR

HIREN S/o SANDEEP BHADANI

TANNU D/o DEVENDER JHAJJAR

RASHMI D/o SATBIR JHAJJAR

NDA Qualifiers 2024

AMAN S/o JITENDER
DUBALDHAN

ANSHU S/o SURESH
DIGHAL

ANUJ S/o VIKASH
JHAJJAR

SACHIN S/o JEET SINGH
JHAJJAR

NIKKI D/o SURENDER
JONDHI

AMAN S/o MANJEET
NAGAWA

BHAVYA S/o AJMER
KABLANA

VISHAL S/o KULDEEP
KHERI HOSYARPUR

DEEPANSHU S/o DHEERAJ
KHERI KHUMMAR

TUSHAR S/o DHARAMBIR
SEKHUPUR JAT

SHIVAM S/o JOGINDER
SEKHUPUR JAT

VIVEK S/o BASANT
SIWANA

SAKSHI D/o NAVEEN
BARHANA

LAKSHAY S/o AJAY
SILANA

MUSKAN D/o GOVIND
KOELPUR

SAMEER S/o DHARAMBIR
JHAJJAR

DINESH S/o SANJAY
BHAPRODA

JIVESH S/o SONU
BHAPRODA

SAHIL S/o SANDEEP
SIWANA

SHUBHAM S/o RANBIR
KHERI KHUMMAR

SHUBHAM S/o KAILASH
DUBALDHAN

KAUSHAL S/o JOGENDER
DADANPUR

SITANSHU S/o HARIKISHAN
SURAJGARH

BOARD Results 2024

CBSE CLASS XII Topper
99 %
RITIKA D/o DEVENDER
JHAJJAR

CBSE CLASS X Topper
98.2 %
KANIKA D/o BALWAN
KHERI KHUMMAR

CBSE CLASS X Topper
98.2 %
CHIRAG S/o RAMBIR
CHIMNI

CA/CS Qualifers 2024

MITAKSHI D/o VINAY
MALIKPUR

KANIKA D/o ASHOK
AURANGPUR

KHUSHI D/o BHARAMJEET
AURANGPUR

AAKASH S/o RAJPAL
REWARI KHERA

DIYA D/o SANDEEP
KHATIWAS

CLAT Qualifers 2024

CHARVI D/o VINOD
KHATIWAS

YASHASWI D/o VIKRANT
JHAJJAR

CHAAVI D/o RISHIPAL
BERI

VAIBHAV S/o DEV
JHAJJAR

ALKA D/o JAIBIR
MAJRA D.

MANSI D/o RAJIV
MATANHAIL

RITIKA D/o SATYAPL
JHINJHAR

RASHI D/o RAJENDER
JHINJHAR

AKANSHA D/o RAJESH
MATANHAIL

PRIYANKA D/o SURESH
DUBALDHAN

MANISH S/o RAJESH
DUBALDHAN

HARSHITA D/o PAWAN
JHAJJAR

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

THE TIMES OF INDIA Awarded with Times School Survey award 2025-26

JHAJJAR CAMPUS : CALL : 8222889860, 8222889862
NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar (Haryana)
PATAUDA CAMPUS : CALL : 9053007801,9053007802
NH.71, Patauda, Near Kulana, Jhajjar (Haryana)

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। अनाज मंडी से खाद्य सामग्री रवाना करते व्यापारी।

खाटू में भंडारे के लिए सामग्री रवाना

बहादुरगढ़। खाटू श्याम में फालगुन मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में प्रत्येक साल बहादुरगढ़ अनाज मंडी के व्यापारी तीन दिन का भंडारा लगाते हैं। इस बार भी भंडारा लगाने के लिए एक ट्रक खाद्य सामग्री का भरकर अनाज मंडी से खाटू श्याम के लिए रवाना किया। प्रेमचंद बंसल, हरमिलाप गोयल, सत्यप्रकाश मांडोठी आदि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर रोशन लाल गोयल, पंडित पवन, पंडित शंकरलाल, मूलचंद जोशी, प्रदीप गुप्ता, पंकज गर्ग, सूरज प्रकाश, शिवनारयण आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़: शवगृह के फ्रिजर की हुई मरम्मत

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल के शवगृह में काफी दिन से खराब पड़े फ्रिजर पर भी अधिकारियों का ध्यान चला गया। दूसरे फ्रिजर को ठीक कर दिया गया है। अब यहां शवों को सड़ने से बचाने के लिए बर्फ लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दरअसल, इस अस्पताल में अक्सर समस्याएं हावी रहती हैं। बीते कुछ दिनों से भी शवगृह में एक फ्रिजर खराब पड़ा था। इस वजह से शवों को सड़ने से बचाने के लिए बर्फ लानी पड़ रही थी। कर्मचारी भी इस समस्या से परेशान थे। एक कर्मचारी ने बताया कि शवगृह में दो फ्रिजर थे। जिसमें से एक खराब था। खराब फ्रिजर को ठीक कर दिया गया है। अब यहां दो फ्रिजर में चार बॉक्स हैं। अब बर्फ की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

सैनीपुरा में भी महिला दिवस पर कार्यक्रम

बहादुरगढ़। सैनीपुरा में भी महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम हुआ। यहां सरिता जसबीर सैनी ने महिलाओं का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं शुरू कर नारीशक्ति का सम्मान बढ़ाया है। भाजपा सरकार ने महिलाओं को उज्जवला योजना, स्वामित्व योजना और शिक्षा में आरक्षण जैसी सुविधाएं देकर सशक्त बनाया है।

मानसिक शांति का महत्व समझाया

बहादुरगढ़। राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के अंतर्गत शनिवार को राजकीय महाविद्यालय में मेडिटेशन सत्र का आयोजन हुआ। सत्र का संचालन प्रशिक्षक बलजीत छिकारा ने किया। उन्होंने ध्यान और मानसिक शांति के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप-प्राचार्य डॉ. अमित छिकारा ने की। सत्र का आयोजन एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारियों जोगेंद्र सिंह, रचना, मीनाक्षी कालरा और कमल रंगा द्वारा किया गया। इस मौके पर डॉ. राजीव दहिया, डॉ. अरुण, डॉ. विकास यादव आदि मौजूद थे। मीनाक्षी कालरा ने प्रशिक्षक और आयोजकों का धन्यवाद किया।

सांखोल में खेल प्रतियोगिता

स्वरोजगार कर रहीं महिलाओं को सम्मानित किया

बहादुरगढ़। गांव सांखोल में महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। नप चेयरपर्सन सरोज राठी, सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन हेमंत शर्मा, डॉ. ज्योति, डॉ. ललिता दहिया, मीना मित्तल, सोना बंसल, प्रीति गुप्ता, भूषण गुप्ता और सूर्या के सीसीओ संजय कुमार, भंवर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित किया। इस दौरान मटका दौड़, नींबू दौड़ और म्यूजिकल चेयर आदि स्पर्धाएं हुई। स्वरोजगार कर रही महिलाओं को सम्मानित किया गया।

लंबे समय बाद ठीक हुई सरकारी अस्पताल की लिफ्ट, मरीजों और स्टाफ को मिलेगी राहत

- गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगों को अधिक दिक्कत उठानी पड़ रही थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नागरिक अस्पताल में सालभर से खराब पड़ी लिफ्ट की सुध ले ली गई है। एक लिफ्ट ठीक कर दी गई है, जबकि दूसरी की मरम्मत जारी है। लिफ्ट ठीक होने से अस्पताल में रोजाना आने वाले काफी मरीजों को सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं अस्पताल के स्टाफ सदस्यों ने भी राहत की सांस ली है।

दरअसल, नागरिक अस्पताल में ऊपरी तलों पर लेबर रूम, नेत्र, दंत विभाग, अल्ट्रासाउंड, शिशु, एसएनसी, जनरल आदि वार्ड हैं। रोजाना बड़ी संख्या में लोग यहां उपचार के लिए आते हैं। मरीजों की सुविधा के लिए यहां दो लिफ्ट की व्यवस्था है लेकिन पिछले करीब सालभर से लिफ्ट खराब होने के कारण बंद थी। कई बार स्थानीय प्रबंधन की ओर से इनकी मरम्मत के लिए पत्र भेजे गए थे लेकिन समस्या बरकरार थी। इस वजह से मरीजों को ऊपर आने, जाने में परेशानी हो रही थी। गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगों को अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। लोगों द्वारा लगातार लिफ्ट ठीक करने की मांग उठाई जा रही थी। आखिरकार लंबे समय बाद इस दिशा में कदम उठा दिया गया। दिल्ली से आई टीम ने एक लिफ्ट ठीक कर दी। जबकि दूसरी की मरम्मत जारी है। मौके पर मौजूद इंजीनियर ने बताया कि डोर लॉक, इमरजेंसी रेस्क्यू डोर सहित कुछ अन्य तकनीकी खराबी थी। एक लिफ्ट ठीक कर दी है। दूसरी भी देर शाम तक चालू हो जाएगी। उधर, लिफ्ट चालू होने से मरीजों को राहत मिली है। शनिवार को मरीजों और उनके तीमारदारों ने लिफ्ट की सुविधा का लाभ उठाया।

बहादुरगढ़। ऊपरी तल पर जाने के लिए लिफ्ट में मौजूद एक परिवार।

रफ्तारी गाड़ी ने बाइक और ई-रिक्शा को मारी टक्कर

बाइक सवार की मौत तथा एक बच्चे, महिला सहित कई घायल

मातन का निवासी मनजीत अपने बेटे को सांपला से दवा दिलाकर वापस लौट रहा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव भापड़ोदा में शनिवार की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तारी पिकअप गाड़ी ने पहले बाइक सवार को टक्कर मारी, फिर एक ई रिक्शा से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसके बीवी-बच्चे घायल हो गए। वहीं ई-रिक्शा में सवार तीन युवक भी बुरी तरह से घायल हो गए।

हादसा भापड़ोदा बाईपास पर हुआ। जानकारी के अनुसार, मातन का निवासी मनजीत अपने बेटे को सांपला से दवा दिलाकर वापस लौट रहा था। जब वे भापड़ोदा बाईपास पर पहुंचे तो यहां पीछे से एक पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों को गंभीर चोट आई। राहगीरों ने उनको संभाला। मनजीत की हालत नाजुक थी।

उसे बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। जबकि उसकी पत्नी और बच्चे को सांपला स्थित एक अस्पताल ले जाया गया। बताते हैं कि बाइक को टक्कर मारने के बाद गाड़ी एक ई-रिक्शा से भी जा टकराई। हादसे में पेंट से लोड रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार तीन युवक चोटिल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस

उधर, सूचना पाकर मांडोठी चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। नागरिक अस्पताल में पुलिस ने परिजनों के बयान लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई। जांच अधिकारी अमित कुमार का कहना है कि एक गाड़ी की बाइक और ई रिक्शा से टक्कर हुई थी। हादसे में एक मौत हुई है और कुछ लोग घायल है। मामले में जांच की जा रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बहादुरगढ़। ई रिक्शा से टकराई गाड़ी। फोटो : हरिभूमि

डॉ. किरण व बीआरजी टीम सम्मानित

- गुरुग्राम में एआईपीएल वूमेंस 10 किलोमीटर रन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶|बहादुरगढ़

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गुरुग्राम में एआईपीएल वूमेंस 10 किलोमीटर रन का आयोजन हुआ। इसमें दिल्ली-एनसीआर के एक हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया। बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 40 धावकों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। बीआरजी की डॉ. किरण छिल्लर, जसपिंद्र कौर, सरिता दास, अमृत कौर, किरण नरूला और संतोष बंसल ने 10 किलोमीटर दौड़ पूरी कर महिला सशक्तिकरण का शानदार उदाहरण पेश किया। दीपक छिल्लर ने बताया कि 10 किलोमीटर रेस में सन्नी खोखर ओपन कैटेगरी में तीसरे स्थान पर रहा। विहान छिल्लर 12-18 आयु वर्ग में दूसरे और सुनील सीकरी ने 60 प्लस आयु वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त किया। पांच किलोमीटर दौड़ में राजीव कुमार ने 40 प्लस आयु वर्ग में सेकेंड, राजेश कुमार ने 50 प्लस आयु वर्ग में पहले, राजिंदर पाल सिंह ने 50 प्लस आयु वर्ग में दूसरा स्थान पाया। डॉ. किरण छिल्लर और बीआरजी टीम को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आयोजन में संदीप, धर्मवीर सैनी, नीरज छिल्लर, राजेश, राजेंद्र, अरुण विजयरण, राजेश रघुवंशी, शमशेर, अजीत जांगडा और दीपक छिल्लर आदि ने दौड़ लगाई।

बहादुरगढ़। गुरुग्राम में हुई दौड़ के बाद बीआरजी के प्रतिभागी धावक।

प्रिंसिपलों को दिया सरस्वती सम्मान

- मंच संचालन सीमा शर्मा ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶|बहादुरगढ़

सैंट सोल्जर एमआर पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इसमें वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ राजवंती शर्मा और वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ आशा शर्मा को सैंट सोल्जर शिक्षण समिति की ओर से प्राचार्य मधु दहिया ने दोनों सरस्वती सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए स्कूल डायरेक्टर डॉ हरेंद्र दहिया ने कि उत्कृष्ट शिक्षा से ही महिला सशक्तिकरण संभव है। मंच संचालन सीमा शर्मा ने किया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में आयोजकों के साथ मंचासीन दोनों अतिथि।

शतीश बने नंबरदार एसो के प्रधान

- बैठक की अध्यक्षता बलवान नंबरदार छारा ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

तहसील बहादुरगढ़ के नंबरदारों की एक मीटिंग पूर्व मंत्री स्व. मांगेराम नंबरदार के पुत्र शतीश नंबरदार के कार्यालय पर हुई। बैठक की अध्यक्षता बलवान नंबरदार छारा ने की। बैठक में सर्वसम्मति से शतीश नंबरदार को एसोसिएशन का प्रधान चुना गया।

बैठक में हुकम नंबरदार सांखोल को संरक्षक, जयभगवान लडरावण को महासचिव, सुरेंद्र जाखोदा, मनजीत छारा, जोगेंद्र बराही व हवा सिंह रोहद को उपाध्यक्ष, शमशेर बामडोली को कोषाध्यक्ष, प्रदीप जाखोदा को सह सचिव, इंद्र कसार को कार्यालय सचिव, धर्म सिंह बालौर को प्रेस सचिव, जगबीर नंबरदार को सराय औरंगाबाद, उमेद डाबोदा को विशेष सलाहकार, विक्रांत बराही, सुरेंद्र निलोठी, रामफल दुल्हेड़ा, रणबीर छुड़ानी, राजेश मांडोठी, अनिल सोलधा, विनोद बराही, दिनेश बराही, वीरेंद्र मांडोठी, सतनारायण जसोर खेड़ी, सुरेंद्र कुलासी को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

प्रधान शतीश नंबरदार ने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगे। नंबरदारों का भत्ता बढ़ाने, नए नंबरदारों की नियुक्ति करने आदि मांगों को लेकर सीएम नायब सैनी से मुलाकात करेंगे। सीएम सभी वर्गों की भलाई में जुटे हैं। जल्द ही वे बहादुरगढ़ के नंबरदारों के साथ उसने मिलेंगे। इस अवसर ओमप्रकाश रोहद, तस्वीर दुल्हेड़ा, होशियार छारा, रामनिवास बामड़ोली, देवेंद्र आसौदा, राज सिंह बालौर, रमेश नूना माजरा, रमेश खेड़ी जसोर, सतबीर सिद्दीपुर, अश्वनी दुल्हेड़ा, सिकंदर सिद्दीपुर व राज खेड़ी जसोर आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। नई कार्यकारिणी व नंबरदारों के साथ प्रधान शतीश नंबरदार।

ससुर का हत्यारोपी दामाद को किया गिरफ्तार

बहादुरगढ़। गांव मांडोठी में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या करने में मामले में पुलिस ने आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को तीन दिन के रिमांड पर लिया है। सीआईए-2 बहादुरगढ़ प्रभारी रवींद्र कुमार ने बताया कि संदीप निवासी मांडोठी ने शिकायत देते हुए बताया कि मेरे बड़े भाई की लड़की की शादी मनेंद्र निवासी सुहरा के साथ हुई थी।

शादी के कुछ समय बाद से ही मनेंद्र छोटी-छोटी बातों पर मार पिटाई करता था। करीब एक वर्ष से मेरी भतीजी मेरे भाई के घर पर रह रही थी। गत 28 जनवरी 2025 की रात को मनेंद्र हमारे घर के पास गली में आया और तेज आवाज में गाली गलौज करने लगा। मेरा भाई संजय और मैं बाहर गली में आए। मनेंद्र ने मेरे भाई संजय को गोली मार दी और फरार हो गया। भाई को इलाज के लिए हम रोहतक पीजीआई ले गए जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। तब से मामले में आरोपी की तलाश की जा रही थी।

माउंट व्यू में बुजुर्ग हुईं सम्मानित

बहादुरगढ़। बुजुर्ग महिलाओं को सम्मानित करती सविता सैनी व नीलम लाठर। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शनिवार को माउंट व्यू स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बुजुर्ग महिलाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

पार्षद सविता सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि महिलाओं को सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। बुजुर्ग महिलाओं ने बदलते समय के अनुसार कैटवॉक तथा नृत्य प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्कूल निदेशक देवेंद्र लाठर व नीलम लाठर ने महिलाओं और छात्राओं के समक्ष रानी लक्ष्मीबाई और मां दुर्गा के उदाहरण रखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। जीवन में सही मार्ग पर चलने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रेरणा दी। बुजुर्ग महिलाओं के हौसले को देखकर छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ा। प्रधानाचार्य सुरेंद्र छिल्लर समेत सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों ने बुजुर्ग महिलाओं का आशीर्वाद लेते हुए सदैव महिलाओं को सम्मान देने का संकल्प लिया। इस दौरान सभी में उत्साह दिखा।

राजकीय महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम

वाद-विवाद प्रतियोगिता में हर्षिता, स्लोगन में सुजीता प्रथम

- प्राचार्या सुमन हुड्डा ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

राजकीय महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ओरिगामी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विदुषी, द्वितीय स्थान मनीषा और तृतीय स्थान वैष्णवी ने प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में हर्षिता पहल ने प्रथम स्थान और संजना ने द्वितीय स्थान हासिल किया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में सुजीता प्रथम, सपना द्वितीय और सारिका तृतीय स्थान पर रही। कैलीग्राफी प्रतियोगिता में सपना ने प्रथम, दीपिका ने द्वितीय और मनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में सुजीता ने प्रथम, वैश्नवी ने द्वितीय और खुशी वत्स ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मिट्टी के गमले पेंटिंग प्रतियोगिता में सोनू कुमारी ने प्रथम स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडल में मीनाक्षी कालरा, डॉ. अनूप कुमार और कविता शामिल रहे। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. शशि रपाड़िया द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्राचार्या सुमन हुड्डा ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। आयोजन में निशा, पूनम रानी और गणित विभाग की अनुराधा का सहयोग रहा।राजकीय महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ओरिगामी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विदुषी, द्वितीय स्थान मनीषा और तृतीय स्थान वैष्णवी ने प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में हर्षिता पहल ने प्रथम स्थान और संजना ने द्वितीय स्थान हासिल किया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में सुजीता प्रथम, सपना द्वितीय और सारिका तृतीय स्थान पर रही। कैलीग्राफी प्रतियोगिता में सपना ने प्रथम, दीपिका ने द्वितीय और मनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में सुजीता ने प्रथम, वैश्नवी ने द्वितीय और खुशी वत्स ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मिट्टी के गमले पेंटिंग प्रतियोगिता में सोनू कुमारी ने प्रथम स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडल में मीनाक्षी कालरा, डॉ. अनूप कुमार और कविता शामिल रहे। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. शशि रपाड़िया द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्राचार्या सुमन हुड्डा ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। आयोजन में निशा, पूनम रानी और गणित विभाग की अनुराधा का सहयोग रहा।

बहादुरगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सभी को मिल रहा

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में मौजूद भाजपा नेता दिनेश कौशिक व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। शहर के पटेल नगर में जन औषधि दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता दिनेश कौशिक सेवामूर्ति व पार्षद सत्यप्रकाश छिकारा ने शिरकत की।

उन्होंने बताया कि यह भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत मरीज को 60 से 90 प्रतिशत सस्ती दवा उपलब्ध कराई जा रही है। इसका लाभ हर वर्ग के लोगों को मिल रहा है। आयुषमान भारत योजना के माध्यम से पात्र लोगों को मुफ्त ईलाज मुहैया करवाया जा रहा है। इस अवसर पर दिनेश शेखावत, राम अहलावत, पाले पाहसौर, रणजीत दहिया, रवि कौशिक व नवीन रोहिल्ला आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में महिलाओं को प्रेरित करती बीके विनीता दीदी। फोटो : हरिभूमि

कर्मठ एवं सशक्त महिलाओं का किया सम्मान

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-2 सेवा केंद्र पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें गांव की कर्मठ, मेहनती और आध्यात्मिक रूप से सशक्त 200 से अधिक महिलाओं को सम्मानित किया गया।

सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विनीता दीदी ने सभी महिलाओं का तिलक एवं चुन्नी पहनाकर सम्मान किया। उनकी सकारात्मक ऊर्जा, आत्मबल और नेतृत्व क्षमता पर प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए। ब्रह्माकुमारीज की बहादुरगढ़ प्रभारी बीके अंजलि दीदी ने जीवन को अधिक सुंदर व सफल बनाने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए।बीके भरत व जयपाल ने संगीतमय प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। स्मृति, सुनंदा व संदीप ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर प्रभावित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

खबर संक्षेप

झज्जर। महाविद्यालय स्टाफ सदस्यों के साथ मौजूद प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी।

स्लोगन लेखन में सुमित रहा प्रथम

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय दुजाना में प्राचार्य नसीब सिंह की अध्यक्षता में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रकोष्ठ द्वारा होली उत्सव मनाया गया। प्राचार्य नसीब सिंह ने होली के त्यौहार को मनाने के ऐतिहासिक तथ्यों बारे मौजूदा शिक्षकों व विद्यार्थियों को अवगत कराया। इस दौरान स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें सुमित को पहला, प्रियांशी को दूसरा व हिमांशु को तीसरा स्थान मिला। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉक्टर अनीता, सदस्य डॉक्टर दीपा, डॉक्टर अंजू बाला सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। पेयजल वितरण करते हुए स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

शिविर में स्वयंसेवकों ने किया योगाभ्यास

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय की एनएसएस इकाई एक और दो के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर मीनाक्षी और विकास सुहाग के निर्देशन में चौथे दिन भी शिविर का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों ने गायत्री मंत्र का पाठ किया। स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया और नेहरू कॉलेज के दीक्षांत समारोह के आयोजन में सहयोग दिया। उन्होंने अनुशासन बनाए रखने में मदद की और आगंतुकों और डिग्री धारकों को सभा स्थल तक पहुंचने का निर्देश दिया और पेयजल वितरण और रिफ्रेशमेंट में सहयोग दिया।

सरकार जल्द दो लाख नौकरियों पर करेगी भर्ती : डॉ. अरविंद शर्मा

566 स्नातकोत्तर और 629 स्नातक विद्यार्थियों को मिली डिग्रियां

- कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा, कार्यक्रम के दौरान छात्रा को डिग्री देते हुए कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय का 56वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि रहे।

नवस्नातकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश को विकसित करने में हर नागरिक का योगदान है। उन्होंने कहा कि सरकार जल्दी ही दो लाख नौकरियों पर भर्ती करेगी। विद्यार्थियों को अपना स्टार्ट अप शुरू करना चाहिए। नई शिक्षा नीति में कौशल विकास पर बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि झज्जर क्षेत्र के लोग बहुत मेहनती और प्रतिभाशाली हैं और इनकी गूंज पूरी दुनिया में है। आपको गर्व होना चाहिए कि आपने ऐतिहासिक महाविद्यालय से पढ़ाई की है। उन्होंने विद्यार्थियों को पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कालेज लाइब्रेरी के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा करते हुए कहा कि पीजी नेहरू कॉलेज को आगे बढ़ाने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा। प्राचार्य डॉक्टर दलबीर सिंह ने महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

दीक्षान्त समारोह में एमए हिन्दी, एमए अंग्रेजी, एमए मनोविज्ञान, एमकॉम, एमएससी गणित, एमएससी कम्प्यूटर विज्ञान तथा जनसंचार एवं पत्रकारिता विषयों के 566 स्नातकोत्तर तथा बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए व विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। बता दें कि कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा ने भी नेहरू कॉलेज से ही शिक्षा ग्रहण की थी। इस दौरान जिप भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, नगर पार्षद मिथुन शर्मा, मुकुल कौशिक सहित अन्य भी मौजूद रहे।

इन विद्यार्थियों को मिली डिग्री

समारोह में एमए हिन्दी के 50, एमए हिंदी के 71, एमए मनोविज्ञान के 50, एमएससी गणित के 61, एमएससी कंप्यूटर विज्ञान के 56, एमकॉम के 240, पत्रकारिता के 38, बीए के 318, बीएससी के 155, बीकॉम के 73, बीसीए के 40 और बीबीए के 43 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई।

झज्जर। मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए बीआरसी मीनू वत्स। फोटो : हरिभूमि

महिलाओं को होना होगा सशक्त : किरण

झज्जर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय महिला थाना प्रभारी किरण ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त होना होगा। अगर किसी महिला के साथ कोई भी अप्रिय घटना घटती है तो वह महिला थाने में अपनी रिपोर्ट दर्ज करा सकती है। आज देश की बेटियां व महिलाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन बादली खंड से बीआरसी मीनू वत्स ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत गांव स्तर पर बनाई गई ग्राम जल एवं स्वच्छता कमेटी में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने बारे जानकारी दी। उन्होंने जहां सरकार की पेयजल योजनाओं के संचालन व रख-रखाव कार्य अब ग्राम जल एवं स्वच्छता कमेटी के माध्यम से पंचायतों द्वारा किए जाने का उल्लेख किया वहीं नई योजना में स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को दी जा रही सेवाओं के बदले दिए जाने वाले विभिन्न मानदेय बारे जानकारी दी। इनके अलावा ब्लॉक समिति बादली की चेयरपर्सन बिमला देवी, वाईस चेयरपर्सन सीमा लाडपुर, आंगनबाड़ी वर्कर यूनियन की जिला प्रधान बालेश जाखड़, सीआईटीयू की जिला महासचिव किरण बरहाणा, सदर थाना में कार्यरत महिला एएसआई नीलम देवी, बीआरसी पूजा, प्रमिला व सरला, स्वच्छ भारत मिशन से मीनू रानी व पूनम सैनी ने भी अपने विचार रखे।

झज्जर। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो : हरिभूमि

महिला दिवस के इतिहास व उद्देश्य से कराया अवगत

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय मातनहेल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला प्रकोष्ठ द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉक्टर अन्नू ने बताया कि प्राचार्य डॉक्टर विजय सिंह यादव की अध्यक्षता में आयोजित इस व्याख्यान में छात्र-छात्राओं दोनों को शामिल किया गया। सहायक प्राध्यापक नवीन कुमार पूनिया ने मुख्य वक्ता के रूप में अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास, इसे मनाने के उद्देश्य, महिलाओं के अधिकारों एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता बारे विचार व्यक्त किए। प्राचार्य डॉक्टर विजय सिंह यादव ने देश में घटते लिंगानुपात और आज के समय में नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम संयोजिका डॉक्टर अन्नू ने कहा कि लैंगिक समानता में काफी प्रगति हुई है। बावजूद इसके अब भी काफी कुछ करने की जरूरत है। उन्होंने छात्राओं को अपने अधिकारों व स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

झज्जर। कार्यक्रम में स्कूल संचालिका अनीता गुलिया व नीलम दहिया के साथ मौजूद अध्यापिकाएं। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को संबोधित करते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

आजीविका विषय पर कार्यशाला

बहादुरगढ़। बादली के चौधरी धीरपाल राजकीय महाविद्यालय में रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय आजीविका मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। एसजीटी यूनिवर्सिटी द्वारा प्रायोजित वर्कशॉप में दिव्यांग शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगारों से जुड़ी जानकारियां सांझा की गई। विशेषज्ञ प्रियंका यादव ने बताया कि दिव्यांगता के 21 प्रकारों की पहचान की गई है। इनमें से भारत में अब तक 9 तरह की दिव्यांगता को मान्यता प्राप्त है। अवधेश यादव ने बताया कि सभी ज्ञानेंद्रियों में आंखों का योगदान लगभग 83 प्रतिशत रहता है। प्रवीण कुमार ने दिव्यांग शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगारों पर प्रकाश डाला। रोजगार प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. पूनम ने भी बच्चों को प्रोत्साहित किया। आयोजन असिस्टेंट प्रोफेसर संदीप ने किया। इसमें असिस्टेंट प्रोफेसर पूनम शर्मा तथा डॉ. रमेश भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

एडीसी ने कूड़ा निस्तारण केंद्र का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कूड़ा निस्तारण केंद्र का निरीक्षण करती एडीसी सलोनी शर्मा।

अतिरिक्त उपायुक्त एवं डीएमसी सलोनी शर्मा ने चेयरपर्सन सरोज राठी व अधिकारियों के साथ नया गांव स्थित डंपिंग यार्ड का दौरा किया। इस दौरान नप अधिकारियों व संबंधित एजेंसी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कूड़ा निस्तारण केंद्र का दौरा करने के उपरांत एडीसी सलोनी शर्मा ने नप कार्यालय में मीटिंग कर सफाई व्यवस्था व विकास कार्यों की जानकारी ली।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने एडीसी सलोनी शर्मा को नगर परिषद बहादुरगढ़ द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। बहादुरगढ़ में सफाई व्यवस्था व शहर के सौंदर्यकरण को लेकर बनाई गई भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया।

एडीसी ने बहादुरगढ़ में सफाई व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिल्ला, पालेराम शर्मा, रमेश राठी, सविता राजेश सैनी, ज्योति कर्मवीर शर्मा, अशोक शर्मा, अश्वनी शर्मा, राजेश मकडोली, सतपाल राठी, हरिमोहन धाकरे व पवन रोहिल्ला आदि मौजूद रहे।

महिला दिवस पर किया अध्यापिकाओं को सम्मानित

झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल संचालिका अनीता गुलिया व नीलम दहिया ने अध्यापिकाओं के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। प्राचार्या निधि कादियान ने कहा कि विश्व महिला दिवस प्रत्येक वर्ष आठ मार्च को मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम जेंडर इक्वलिटी टुडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो है। उन्होंने कहा कि भविष्य की मजबूती के लिए लैंगिक समानता जरूरी है। कार्यक्रम में सभी अध्यापिकाओं ने अपनी प्रेरणास्रोत महिलाओं बारे जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान इंस्प्रेशन टीचर के तौर पर अध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, प्रबंधक केएम डागर, एचओडी रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा, डीपीई अमित लोहचब, अजय जाखड़ सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। दौड़ लगाती जसौरखेड़ी कॉलेज की छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

दौड़ स्पर्धाओं में प्रथम रही निशा

बहादुरगढ़। जसौरखेड़ी के राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को एथलेटिक मीट का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत स्पोर्ट्स प्रभारी डॉ सुनील द्वारा कॉलेज प्रभारी को बैज लगाकर की गई। फिर ध्वजारोहण हुआ। सभी दौड़ स्पर्धाओं में निशा प्रथम रही। जेवलिन थ्रो और शॉटपुट में चंचल प्रथम रही। लॉन्ग जंप में नीशू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नैंसी ने 100 मीटर, 400 मीटर, जेवलिन थ्रो और शॉटपुट में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 400 मीटर और लॉन्ग जंप में कनिशा द्वितीय रही। इसके अलावा 100 मीटर में कनिशा, 200 मीटर में पूजा, 400 में नैंसी, जेवलिन थ्रो में कीर्ति, शॉटपुट में पूजा और लॉन्ग जंप में निकिता तृतीय रहे। वहीं डॉ पूनम ने महिला सशक्तिकरण को लेकर अपने विचार रखे। निकिता ने महिला शक्ति पर कविता प्रस्तुत की। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान डॉ सुनील कुमार, अजय कुमार, प्रियंका अग्रवाल और डॉ पूनम उपस्थित रहे। इसके बाद सभी छात्राओं ने होली महोत्सव मनाया।

वीरों की याद में बन रहा शहीद स्मारक

झज्जर। डीआईपीआरओ सतीश कुमार ने बताया कि आजादी की पहली लड़ाई 1857 के वीर शहीदों की याद में अंबाला कैंट स्थित 'आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक' का निर्माण किया जा रहा है। सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा ऐतिहासिक स्मारक के लिए प्रतीक चिन्ह (लोगो) डिजाइन तैयार करने के लिए कलाकारों, डिजाइनरों और व्यक्तियों से प्रविष्टियां मांगी गई हैं। जिसकी अंतिम तिथि आगामी एक अप्रैल 2025 निर्धारित की गई हैं।

महिला दिवस पर शुरू किया ब्यूटी पार्लर मैनेजमेंट प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्रशिक्षणार्थी एवं संस्थान सदस्य।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पंजाब नैशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ब्यूटी पार्लर मैनेजमेंट का प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण में तीस महिला प्रशिक्षणार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। संस्थान निदेशक उमेश भूकर गोरिया ने कहा कि महिला दिवस का उद्देश्य सिर्फ महिला सशक्तिकरण की बात करना ही नहीं बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि महिलाओं को हर स्थिति में समान अवसर और सम्मान मिले। यह दिन हमें सोचने का अवसर प्रदान करता है कि हम महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठा सकते हैं। इस दौरान उन महिलाओं को भी याद किया गया जिन्होंने समाज में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने के लिए संघर्ष किया। संस्थान से कार्यालय सहायक कुसुम ने महिलाओं से कहा कि हमें अपने परिवार का सहारा बनना है तो स्वरोजगार के लिए विभिन प्रकार की हस्तकला सीखनी चाहिए। इस दौरान महिलाओं के अधिकारों और उनके सम्मान की रक्षा करने संबंधी शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में आशीष रोहिल्ला, आशीष शर्मा, शशी कुमार, प्रशिक्षिका शालू सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। फूलों से होली खेलती छात्राएं व कॉलेज पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ईको फ्रेंडली होली मनाने का लिया संकल्प

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में शनिवार को धूमधाम से इको फ्रेंडली होली मनाई गई। महाविद्यालय के प्रधान सत्यनारायण अग्रवाल ने कहा कि होली का त्योहार आपसी भाईचारे व सद्भावना का त्योहार है। प्राचार्या डॉ आशा शर्मा ने बताया कि इस पर्व को खुशी, प्यार, एकता और बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में भी जाना जाता है। इस अवसर पर भावी अध्यापिकाओं ने इको-फ्रेंडली होली मनाने का संकल्प लिया। प्राचार्या और सभी प्रवक्ताओं के साथ मिलकर फूलों से होली खेली। प्राचार्या डॉ आशा शर्मा ने छात्राओं को केमिकल युक्त होली नहीं खेलने की सलाह दी। सभी को इको फ्रेंडली होली मनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाली महिलाओं का हुआ सम्मान

झज्जर। सर्वोदय जनहित समाज कल्याण समिति द्वारा शनिवार को बहु गांव स्थित जांगड़ा धर्मशाला में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में मौजूद एसीपी अनिरुद्ध चौहान द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षिका कौशल्या रानी तथा अमर शहीद नवल कुमार की शहीद वीरांगना रानी को सम्मानित किया गया। समिति प्रधान प्रदीप व सदस्य जलकर्ण कड़ौधा ने बताया कि कार्यक्रम में मौजूद महिला शक्ति के बीच दौड़, नींबू रेस, चम्मच रेस व हरियाणवीं डांस आदि प्रतियोगिता भी कराई गई जिसमें उन्होंने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी महिलाओं को स्मृति चिन्ह के रूप में तुलसी का पौधा भी भेंट किया गया।

खोया-पाया

मैं, नरेश कुमार सचदेवा पुत्र स्व. रामलाल निवासी मकान नंबर-532, वार्ड नंबर-24, झज्जर रोड, उत्तम कॉलोनी, बहादुरगढ़, जिला झज्जर बयान करता हूं कि हमारे मकान (प्रॉपर्टी आईडी 3B71UTM4, जो नीलम, संजीव, नरेश कुमार सचदेवा, पिंकी, सुषमा व सीमा के नाम है) की रजिस्ट्री नंबर-895 कहीं पर गुम हो गई है। जो काफी तलाश करने पर भी कहीं नहीं मिली। जिस किसी को यह रजिस्ट्री मिले तो मोबाइल नंबर 9896221870 पर संपर्क करे। उपरोक्त बयान सहीं व दुरूस्त है।

संस्कारम विश्वविद्यालय में होली मिलन समारोह की रही धूम

रंग-तरंग कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने किया धमाल

- विद्यार्थियों ने नृत्य और संगीत की मधुर प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। रंग-तरंग कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी, कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन डॉक्टर महिपाल के साथ मंच पर मौजूद नारी शक्ति व स्टाफ सदस्य।

संस्कारम विश्वविद्यालय में फागोत्सव के उपलक्ष्य में रंग-तरंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने एक के बाद एक सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर धमाल किया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीराधा-कृष्ण के भव्य स्वरूप की आराधना और होली के पारंपरिक गीतों से हुई। विश्वविद्यालय प्रांगण में रंगों की फुहार और गुलाल की सुगंध से एक भक्तिमय वातावरण बन गया। विद्यार्थियों ने नृत्य और संगीत की मधुर प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सौहार्द और समरसता का प्रतीक भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा और संस्कृति के संतुलन पर जोर देने की प्रेरणा दी। इसके साथ ही विश्व महिला सशक्तिकरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि डॉक्टर महिपाल ने कहा कि देश की प्रगति में महिलाओं की विशेष भागीदारी है। वे अब हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्होंने शिक्षा को महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा कि यदि एक महिला शिक्षित होती है, तो उसकी आने वाली सात पीढ़ियां शिक्षित होती हैं। इस दौरान महिला शक्ति को सम्मानित भी किया गया।

खेल प्रतियोगिताओं में महिला अभिभावकों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। इंडो अमेरिकन स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स्कूल निदेशक बिजेंद्र कादियान ने स्टाफ सदस्यों के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करते हुए समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान महिला अभिभावकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता परिणामों में 100 मीटर रेस में नेहा, पिंकी व बीना ने प्रथम, मीना, ज्योति व गीता ने द्वितीय तथा सोनिया, सुशील व अंजू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मटकी रेस में मंजू व मुनेश प्रथम, मीना व सरिता द्वितीय, मंतेश व पारुल तृतीय रही। पेपर डांस में रितु पहले, कोमल दूसरे व प्रिया तीसरे स्थान पर रही। म्यूजिकल चेयर अंगीता व अरुणा को प्रथम, पिंकी व पारुल को द्वितीय, पूजा व ज्योति को तृतीय स्थान मिला। कुर्सी पर बैठकर गुब्बारे फोड़ने में शीतल व रेणू को पहला, आरती व कोमल को दूसरा, सुषमा व मोनिका को तीसरा स्थान मिला। सोलो डांस में ज्योति ने प्रथम, प्रीति ने द्वितीय व ज्योति सुनील ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्कूल निदेशक बिजेंद्र कादियान ने कहा कि आज महिलाएं आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बेहतर कार्य करके समाज को मजबूत करने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं का दर्जा बहुत ऊंचा है। वे घर की जिम्मेदारी के साथ-साथ कई क्षेत्रों में देश की तरक्की में अपना योगदान दे रही हैं।

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय नगर परिषद बहादुरगढ़

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री लक्ष्मी नारायण (पुत्र), सुविधा (पुत्री), संतोष (पुत्री), सरला (पुत्री), मीरा (पुत्री), सुनीता (पुत्री), संतोष (पुत्री) स्व. श्रीमती कैलाश निवासी कच्चा बाग बहादुरगढ़ द्वारा ऑनलाइन एनडीसी पोर्टल पर प्रॉपर्टी आईडी नम्बर 3BG1U791 वार्ड नम्बर 15/157 कॉलोनी कच्चा बाग जो कि नगर परिषद बहादुरगढ़ मे नाम का कॉलम रिक्त है में नाम दर्ज व वर्ग गज 103.6 से 92 वर्ग गज करवाने हेतु ऑनलाइन एप्लीकेशन नम्बर 0185380473 द्वारा अप्लाई किया है।

अतः आम व खास को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति नम्बर 3BG1U791 वार्ड नम्बर 15/157 कॉलोनी कच्चा बाग पर यदि कोई अन्य हकदार है या उक्त संपत्ति पर किसी को कोई आपत्ति है तो वह सुबूतों सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अंदर-अंदर नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय में आकर अपना दावा पेश करें। अन्यथा इस नोटिस का समय समाप्त होने पर यह संपत्ति नम्बर 3BG1U791 वर्ग गज प्रार्थी श्री लक्ष्मी नारायण (पुत्र), सुविधा (पुत्री), संतोष (पुत्री), सरला (पुत्री), मीरा (पुत्री), सुनीता (पुत्री), संतोष (पुत्री) स्व. श्रीमती कैलाश के नाम से नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में दर्ज कर दी जाएगी। जिसमें नगर परिषद बहादुरगढ़ कि कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हस्ता/-कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद बहादुरगढ़।

K.R. MANGALAM WORLD SCHOOL
K.R. MANGALAM
World School
Bahadurgarh
ENGAGE. LEARN. INNOVATE.
ATTENTION
CLASS XI ASPIRANTS
Bright Future Begins Here
ADMISSIONS OPEN FOR CLASS XI
Ace Our Entrance Exam and Secure
EXCLUSIVE SCHOLARSHIPS
Last Date of Registration: March 15th 2025
Examination Date: March 16th & 23rd 2025
Exam Timing: 10:00 am to 12:00 pm
Register Now!
Limited Seats Available
SCORE HIGH AND GET ATTRACTIVE SCHOLARSHIPS
Scan The QR Code Register Now.
Free Counselling Sessions also Available for IIT-JEE and NEET!
ADMISSIONS NOW OPEN
Session 2025-26
Nursery - Grade IX
(Play Group Also Available)
EMPOWERING MIND, ENRICHING FUTURE
Special Workshops and Sessions for CUET
Experiential Learning
Tech Driven Classrooms
Fully Equipped Laboratories
Healthy Student Teacher Ratio
Fostering Future Leaders with Creativity and a Commitment to Excellence
Ranked No. 1
INNOVATORS CATEGORY BY TIMES SCHOOL SURVEY 2024
admission@krmangalambahadurgarh.com
www.krmangalambahadurgarh.com
Sector-2, Near Gauri Shankar Mandir, Bahadurgarh
9549899503
G.K.- II | Vikaspuri | Kailash Colony | Paschim Vihar | Vaishali | Greater Noida | Faridabad | Gurugram | Bahadurgarh | Panipat | G.K.- I (IB) | Lucknow

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक रविवार 9 मार्च 2025

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें।

एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रृंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा

कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंग: प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंग: यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंग: हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंग: यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंग: होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंग: रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत

डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

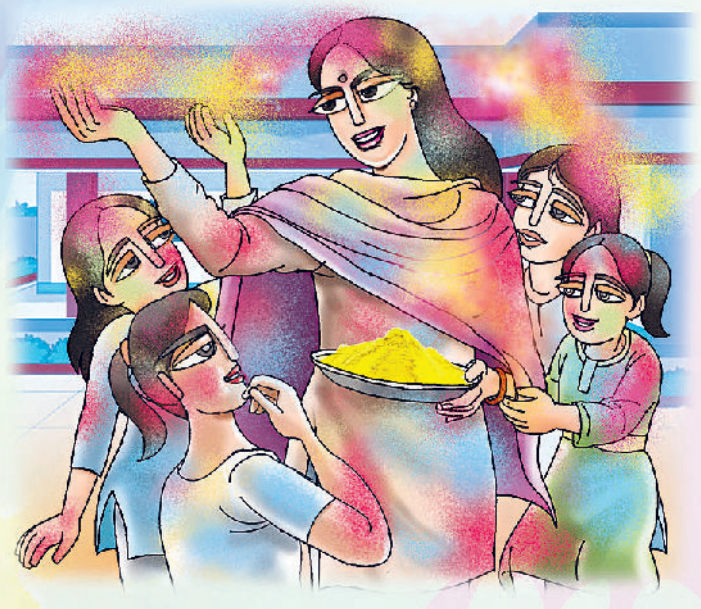

लघुकथा

यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगबाज दोहे

सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।

मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।

केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।

रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।

सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।

इत्ता-सा वैक्यूम है, बिता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।

शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।

कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से त्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।

तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।

वर की लर्निंग केलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।

बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

रंगीली चुटकी

उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।।
कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

आदिवासियों की होली में मेहक लोक-संस्कृति के रंग

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी जुड़ी हैं। इन बहुरंगी परंवराओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति
सुधा रानी तैलंग

सतरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खुशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है, जब वसंत अपने उत्कर्ष पर होता है। मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही पूरा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि, आस-पास के कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनूठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुल: बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की आदिवासी होली: मध्य प्रदेश के बड़वानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं।

हुवी दीवावी दूये बयोने
भरे सीयावे आवी दीवावी बाय
भर उनावे आवी हूवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली गरमी में।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनूठी है। होली में भील महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़ आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को छोड़ती हैं।

भगोरिया की उमंग: मध्य प्रदेश के पश्चिमी निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं। भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं। भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर गांव से मानी जाती है। इस पर्व पर भील आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष वाद्य यंत्र बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-बूढ़े भी बेहद उत्साह से शमिल होते हैं। इस मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड़ कर होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है। पूर्णिमा तक उसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाले गोल गधेड़ो लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो जाता है तो मनपसंद लड़की के चेहरे पर गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता पक्का हो जाता है।

गुजराती आदिवासी होली: गुजरात में नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार नृत्य करते हैं। कृष्ण पक्ष की पंचमी तक होली का यह पर्व मनाया जाता है।

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। *

अनूठी होती थी रजवाड़ों की होली

आदिवासी समाज में होली की सदियां पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल हुआ करते थे।

नीमराणा की होली: आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल, नगाड़ों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शुरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्द से सब मिलकर सामूहिक होली खेलते थे।

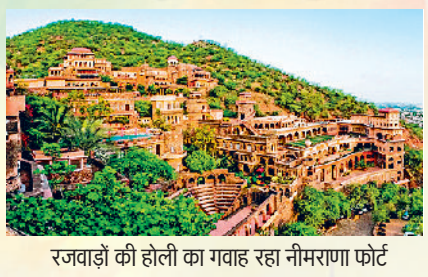

रजवाड़ों की होली का गवाह रहा नीमराणा फोर्ट

सदियों पुराना इतिहास: नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों की होली की मंगला (जला) करती थी।

फिर होता था रंगोत्सव: सामूहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाद रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारों के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के बीच राजा सजीले हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में धुलंडी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा, हाथी पर सवार होकर कुंड के इस रंगीन खुशबूदार पानी को भैंसा गाड़ी में रखवा कर प्रजा संग होली खेलते हुए विजय बाग जाते थे। सुगंधित पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगीन हो जाती थी। सामूहिक जुलूस में सभी बिरादरी के लोग शामिल होते थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेलते थे।

लोकगीतों-नृत्य की मस्ती: होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी।

प्रस्तुतिः शिखर चंद जैन

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नुकसान दायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगों का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानाना चाहेंगे।

रंग-बिरंगे गुलाल गोटे

परंपरा
इंदिरा त्रिवेदी

रंगों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली जाने वाली होली की, जो गुलाल गोटा से खेली जाती है और ईको-फ्रेंडली होती है।

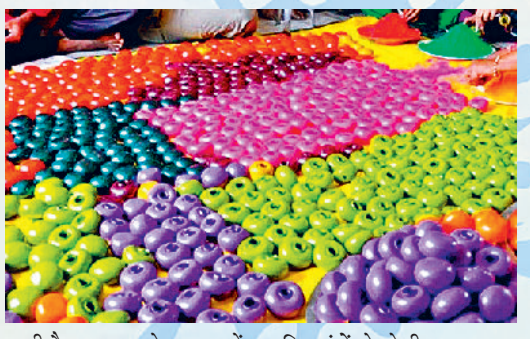

होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इनसे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाता है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान में गुलाल-गोटे से होली खेलने की परंपरा करीब 300 से 400 वर्षों से जारी है।

क्या है गुलाल गोटा

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है। गोलाकार शेप मे मिलने वाले गुलाल गोटे लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

बनाने का तरीका

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक छोटी फुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबूदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे फेंक कर होली खेली जाती है।

राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे, जो बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! *

रंगीली कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग।
मन में हलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग।
दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए।
इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए।
कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली।
जीजा जी अब पास आइए, आई होली।

होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल।
साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।
अंग-अंग में रंग, देख हम उनमें अटके।
कह 'कोमल' कविराय, बात में हंसी-ठिठोली।
नैन करें संवाद, रंगीली आई होली।

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

आज के डिजिटल युग में होली के हुल्लास के बीच इस साल वर्चुअल होली की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बल्कि कहना चाहिए वर्चुअल वर्ल्ड में इंद्रधनुषी रंगों की बौछार शुरू भी हो चुकी है।

स्मार्ट-कलरफुल होगी डिजिटल होली

किसी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी खेली जा रही है।

सोशल मीडिया पर होली ट्रेंड्स

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का ट्रेंड चल रहा है। व्हाट्सएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर

विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली

मेटावर्स, एआई जैसे डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कुछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए लोग एक-दूसरे पर जमकर केमिकल वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज मेटावर्स और एआई के दौर में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और सूखी होली की ओर हो चला है। अब युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे हैश टैग्स भी इस अवसर पर खूब ट्रेंड करते हैं।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना बनाती है। *

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स भी नहीं हैं पीछे

इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल गेम फ्री फायर ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लूसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।

बड़ा पर्दा
कैलाश सिंह

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड़ देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खूब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।

होली के रंग में रंगी यादगार हिंदी फिल्में

रंगों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉग: 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकू गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ाई की पृष्ठभूमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'शोले' में होली गीत पर झूमते धर्मेंद्र-हेमा मालिनी

'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका-रणवीर

'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़: यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी': फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) से अमीर घर का एक लड़का (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजूद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहुंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक बलात्कार (और बाद में हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होली: फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका-रणबीर कपूर

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूप: अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकारों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला': 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है।

जाहिर है, ऐसी सिचुएशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। *